Mettlepower Communications

Contact: 9903168646 / 9836344370

Coverage / Advt Sheet

Publication & Date: Prabhat Khabar (30.06.2011)

Page Number: 3

Head Line: Surgery of a young patient via new technique.

प्रभात खबर

नयी तकनीक से किशोर मरीज की हुई सर्जरी

संवाददाता ▪ कोलकाता

पूर्वी भारत के किसी अस्पताल में पहली बार रूमैटिक फीवर के कारण जटिल हृदय व्याधि से ग्रस्त एक मरीज की नयी तकनीक से सफल सर्जरी की गयी. ओड़िशा के रहनेवाले 18 वर्षीय राजीव बेहरा (परिवर्तित नाम) को उल्टी होती थी. इससे उसे सांस लेने में तकलीफ होती थी और वह जल्द ही थक जाता था. ओड़िशा के एक डॉक्टर की सलाह पर उसे महानगर के मेडिका सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. यहां के डॉक्टरों ने उसके परीक्षण के बाद पाया कि रूमैटिक फीवर से उसके हृदय का एक हिस्सा (वाल्व) पूरी तरह नष्ट हो चुका है. इसके बाद हॉस्पिटल की कार्डिएक यूनिट में डॉ रतन कुमार दास के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम ने एक जटिल सर्जरी माध्यम से रोगी का माइट्रल वाल्व बदल दिया. इसके लिए मरीज की छाती के दायें हिस्से में स्पेशल थोरैकोस्कोपिक औजार से एक महीन छेद करना पड़ा. बुधवार को एक कार्यक्रम में यह जानकारी देते हुए इस हॉस्पिटल के कार्डिएक सर्जरी यूनिट के निदेशक डॉ दास ने बताया कि अब मरीज पहले से बेहतर है. गत 20 जून को किशोर की सर्जरी हुई. इस जटिल सर्जरी को मेडिकल साइंस की भाषा में मिनिमली इनवेसिव थोरैकोस्कोपी असिस्टेड माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट कहा जाता है. इस सर्जरी में डॉ अभिजीत पाल, डॉ सैकत बनर्जी, डॉ आशिमा वेलोटकर व टी आचार्य ने भी सहयोग किया.